त्रिगुन स्वामि कि आरति जो कोयि नर गावे
भव भक्ति के करुण मन्वञ्चित फल पतें
॥। ॐ हर हर हर महादेव

॥ ॐ तत् सत् ॥

ॐ हर हर महादेव

जय शिव ओंकार हर जय शिव ओंकार
ब्रह्म विष्णु सदाशिव अर्धाङ्गि धार
॥। ॐ हर हर हर महादेव

एकानन चतुरानन पञ्चानन राजें
हंसासन गरुडासन वृशवाहन साजें
॥। ॐ हर हर हर महादेव

दोय भुज चार चतुर्भुज दशाभुज तें सोहें
तीनों रोओप निरखथन त्रिभुवन जन मोहें
॥। ॐ हर हर हर महादेव

अक्षमाल बनमाल रुंड्माल धारि
चन्दन मृगमद चन्द भोले शुभकरि
॥। ॐ हर हर हर महादेव

श्वेताम्बर पीताम्बर बदाम्बर अङ्गे
सनकधिक गरुदाधिक भूतधिक सङ्गे
॥। ॐ हर हर हर महादेव

कर्मध्ये च कमन्दलु चक्र त्रिशूल धर्त
जग्कर्त दुखहर्त जग्पालन कर्त
॥। ॐ हर हर हर महादेव

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जनत अविवेक
प्रणवक्षर ॐ मध्ये ये तीनों येक
॥। ॐ हर हर हर महादेव